पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 (1) इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

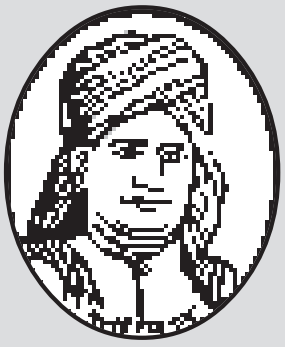

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

परिषद् की अन्तरंग सभा की वार्षिक बैठक

रविवार, 26 अगस्त 2012

दोपहर 3 बजे

आर्य समाज कबीर बस्ती,

दिल्ली-110007

आय-व्यय, बजट, रिपार्ट स्वीकृत करने हेतु सभी सभासद समय पर पहुंचे।

महेन्द्र भाई

महामंत्री

वर्ष-29 अंक-5 श्रावण-2069 दयानन्दाब्द 189 1 अगस्त से 15 अगस्त 2012 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

भारत विभाजन के 65 वर्ष बाद पाकिस्तान से फिर दिल्ली पहुंचे 15 हिन्दू शरणार्थी

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ने अम्बेडकर टर्मिनल पर किया भव्य स्वागत

शनिवार, 21 जुलाई 2012, पाकिस्तान के कोट शहर से विस्थापित होकर श्री राज कुमार आर्य चौहान के साथ 15 पारिवारिक जन रात्रि 8:00 बजे अम्बेडकर टर्मिनल दिल्ली गेट पर पहुंचे। यहां पहुंचने पर परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य के नेतृत्व में डॉ. डी.के. गर्ग, सुरेश आर्य, महेन्द्र भाई, राम कुमार सिंह, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, शिशुपाल आर्य, भारतेन्द्र मासूम, कै. अशोक गुलाटी, माता लक्ष्मी सिन्हा, प्रवीण आर्या, आस्था आर्या, चौ. नाहर सिंह (बिजवासन), आर्य राज सिंह (बागपत), सुरेश आर्य (गाजियाबाद), राज कुमार आर्य (पानीपत) आदि आर्य जनों ने शरणार्थी भाईयों का ओ३म् का पटका व फूलमालाओं से स्वागत किया तथा आर्य समाज कबीर बस्ती पुरानी सब्जी मंडी में रहने को स्थान दिया। सभी से अनुरोध है कि इन्हें आवास, रोजगार एवं कानूनी सहायता व सहयोग आदि देकर सम्मानजनक ढंग से भारत में रहने में सहयोग प्रदान करें।

आर्य नेता आनन्द चौहान का अभिनन्दन

ऐमेटी शिक्षण संस्थान के निदेशक व आर्य नेता श्री आनन्द चौहान का ऐमेटी इन्टरनेशनल स्कूल, पुष्प विहार दिल्ली में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर के समापन पर भव्य स्वागत किया गया। बाएं परिषद् के महामंत्री श्री महेन्द्र भाई व दाएं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य।

दिल्ली चलो दिल्ली चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्, दिल्ली (पंजीकृत) के

34वें वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन के उपलक्ष्य में

स्वामी सुमेधानन्द जी व स्वामी आर्यवेश जी के सानिध्य एवं शिक्षाविद् डॉ. अशोक कुमार चौहान की अध्यक्षता में

राष्ट्रीय आर्य बुद्धिजीवी सम्मेलन

रविवार 2 सितम्बर 2012 समयः प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक

स्थानः आर्य समाज, पुराना राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली-110060

(निकट मैट्रो स्टेशन राजेन्द्र पैलेस)

देश के प्रबुद्ध संन्यासियों, विद्वानों, आर्य नेताओं के ओजस्वी उद्बोधन

सभी आर्य युवक, आर्यजन भारी संख्या में पहुंचे।

दिल्ली से बाहर के आने वाले आर्य बंधु आवास व्यवस्था हेतु शीघ्र सूचित करें।

दर्शनाभिलाषी:

डॉ. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9711523412

आर्य समाज सूर्य निकेतन में संगीत संध्या

आर्य समाज, सूर्य निकेतन, विकास मार्ग, दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार, 15 अगस्त 2012 को सायं 4 से 7.30 बजे तक श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' की भव्य संगीत संध्या का कार्यक्रम रखा गया है। सभी आर्य जन सपरिवार पधारने की कृपा करें। - ऋषि लंगर रात्रि 7.30 बजे होगा।

भवदीय

यशोवीर आर्य	विकास गोगिया	श्यामसुन्दर ठुकराल
प्रधान	संयोजक	मन्त्री

17 जून 2012 को आस्ट्रेलिया (ब्रिसबेन) के प्रोग्रास हाल में दिए गए भाषण का अंश

– डॉ. महेश विद्यालंकार

संसार में प्राचीनतम ग्रन्थ वेद है। जो वेदों द्वारा बताया गया ज्ञान और धर्म है, वह वैदिक धर्म कहलाता है। वैदिक धर्म सृष्टि के आरम्भ से लेकर महाभारत के कुछ समय पहले तक का धार्मिक, पारिवारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राष्ट्रीय राजनैतिक, जीवन मूल्यों, नैतिक आदर्शो आदि के पतन के कारण बहुत कुछ नष्ट-भ्रष्ट हो गया। इसी कारण महाभारत हुआ। लोग वैदिक धर्म, वेद विद्या और जीवन के आदर्शो को भूल गए। स्वार्थ अहंकार तथा एकाकी भोगने की प्रवृत्ति हावी हो गई। वास्तविक धर्म-कर्म, आत्मा, परमात्मा, प्रार्थना, भक्ति आदि में विकृतियां आने लगी। असली परमात्मा की जगह देवी-देवताओं और जड़पूजा फैलने लगी। वैदिक धर्म में अन्धविश्वास, अन्धश्रद्धता तथा अवैदिक मान्यताओं के कारण वह सनातन धर्म कहलाने लगा। मध्यकाल में और भी वेद विरूद्ध बातों का प्रचलन बढ़ा। व्यक्ति पूजा ने मूर्ति पूजा का रूप ले लिया। उपासना की जगह भक्ति लेने लगी।

आर्य समाज का उदय ऐसे समय में हुआ जबकि चारों ओर घोर अविद्या-अन्धकार और वेद विरूद्ध मत मतान्तरों का बोल-बाला था। धर्म, भक्ति तथा परमात्मा के नाम पर लोगों को ठगा, बहकाया एवं गुमराह किया जा रहा था। जैसा कि आजकल हो रहा है। वेदों को गड़रियों के गीत और धूर्तो के बनाए हुए बताया जा रहा था और नारी-जाति को वेदों के पढ़ने-पढ़ाने, यज्ञ करने-कराने, गायत्री मन्त्र बोलने और यज्ञ की ब्रह्मा बनने से रोका जा रहा था। यज्ञों में पशुबलि की प्रथा फैल रही थी। लोग अपनी संस्कृति, सभ्यता, जीवनादर्शो, महापुरूषों, सद्ग्रन्थों आदि को भूलते जा रहे थे। ऐसे घोर अज्ञान भरे समय में सदियों के बाद पुण्यआत्मा देव दयानन्द का सौभाग्य से आगमन हुआ।

उन्होंने वैदिक धर्म, भारतीय संस्कृति, सभ्यता, इतिहास, नारी शिक्षा, यज्ञ, गुरूकुल शिक्षा पद्धति, वर्णाश्रम व्यवस्था, महापुरूषों, जीवन मूल्यों आदि का प्रेरक एवं सत्यस्वरूप को बताया। ऋषि ने स्वधर्म, स्वदेश, स्वसंस्कृति सत्व, आत्मा और परमात्मा का सीधा सच्चा सरल मार्ग बताया। उन्होंने सारा जीवन वैदिक धर्म के प्रचार एवं प्रसाद में लगा दिया। उन्होंने स्वयं सत्य का बोध प्राप्त किया और संसार को सत्यबोध, आत्म बोध, परमात्मबोध, जीवन बोध एवं राष्ट्रबोध कराया। उनका सन्देश रहा उठो जागों। अपने स्वरूप व धर्म-कर्म को पहिचानो। तुम परमात्मा की श्रेष्ठ सन्तान हो। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए कहा वेदों की ओर लौटो। स्वयं जागो और दूसरों को जगाओं। आर्य समाज की स्थापना की कृण्वन्तो विश्वमार्यम् का नारा दिया। सारे संसार को श्रेष्ठ बनाना और जीना सीखाना है। संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है। ऋषि ने आर्यसमाज का मुख्य कार्य-वेद प्रचार, मानव निर्माण, चरित्र निर्माण, जीवन-निर्माण, परिवार निर्माण आदि बताया है। जो आज छूट रहा है।

आर्य समाज एक वैचारिक, क्रान्तिकारी, बुद्धिवादी, प्रगतिशील व सुधारवादी, सामाजिक-धार्मिक और सांस्कृतिक संगठन है। यह कोई पंथ, मजहब व सम्प्रदाय नहीं है। इसके सिद्धान्त, विचार मान्यताएं एवं आदर्श वेद, सत्य, विज्ञान, सृष्टिकर्म के अनुकूल व व्यावहारिक हैं। इसकी विचारधारा जीवन व जगत को उलझाती नहीं, अपितु सुख शान्ति एवं प्रसन्नता का सादा और सरल मार्ग बताती है। इसकी मान्यताओं और विचारों में अन्धविश्वास अन्धश्रद्धा, ढोंग, पाखण्ड, पुजाया, चढ़ावा, गुरूड्म आदि नहीं है। बाबा वाक्यं प्रमाणम्, सत्य वचन महाराज आदि नहीं चलता है।

वेद मार्ग और आर्य समाज की विचारधारा ही आज के भौतिकवादी भोगवादी, संघर्ष, तनाव, चिन्ता, दुःख में जी रहे मानव समाज को सच्ची सुख शान्ति, प्रसन्नता, नीरोगता, और जीने की राह दिखा सकती है। कम्प्यूटर, इन्टरनेट, मोबाइल और भौतिक सुख साधनों के बीच जी रही युवापीढ़ी की वैज्ञानिक सोच-समझ, तर्क और युक्ति-प्रमाण को आर्य विचारधारा ही सन्तुष्ट कर सकती है। इसी में यह शक्ति व क्षमता है। जितने भी पंथ, मजहब, सम्प्रदाय गुरू महन्त आदि है उनमें प्रश्न करने, तर्क रखने, और प्रमाणिक बात कहने का अधिकार नहीं है। वहां श्रद्धा और विश्वास करो, वे जो कहे उसे सिर नीचा करके स्वीकार कर लो। आर्य समाज ऐसा मानता और कहता नहीं है। उसकी स्पष्ट घोषणा है जो सत्य, वैज्ञानिक कसौटी पर खरा उतरे, व्यावहारिक व बुद्धि पूर्वक लगे उसे मान लो, बाकी छोड़ दो। भेड़चाल के पीछे मत जाओ। आज धर्म-भक्ति और परमात्मा तीनों बाजार और व्यापार बन रहे हैं। इनके नाम पर सर्वत्र ढोंग, पाखण्ड, गुरूड्म, आडम्बर-प्रदर्शन आदि तेजी से फैल रहा है। कोई रोकने व टोकने वाला नहीं है। आध्यात्म के क्षेत्र में अधार्मिक, स्वार्थी, नाम, यश तथा धन के लोभी लोगों का तेजी से प्रवेश हो रहा है। सेवा व्यापार का रूप ले रही है।

प्रसन्नता है कि आप सभी भारतीय मिलकर वैदिक धर्म, भारतीय संस्कृति अपनी विरासत व परम्पराओं को यज्ञ, भजन, संस्कार, प्रवचन सत्संग आदि के द्वारा प्रचारित व प्रसारित कर रहे है। आज युवापीढ़ी को वैदिक विचारधारा और भारतीय सांस्कृतिक जीवन मूल्यों की बड़ी आवश्यकता है। ये संस्कार विचार और जीवनमूल्य ही उन्हें सत्मार्ग दिखा सकते हैं। वेद और यज्ञ की ज्योति जलती रहे, ओ३म् का झण्डा ऊँचा रहे। सर्वेभवन्तुः सुखिनाः।

क्षमा दान

वीर धीर मनुष्यों के लिए क्षमादान सर्वश्रेष्ठ दान है। बीती बातों को भूल कर जो समर्थवान व्यक्ति हिंसा का प्रतिकार लेने के लिए प्रतिहिंसा ना करके क्षमा कर देता है उसे न्यायकर्ता ईश्वर की न्याय व्यवस्था में क्षमा रूपी पुण्य के लिए अच्छी नियति पुरस्कार स्वरूप प्राप्त होती है। वैसे भी हिंसा या अपने प्रति किसी के अपराध पर बदले की भावना रखते हुए प्रतिहिंसा करना पाशविक प्रवृति का पर्याय माना जाता है जबकि दण्ड देने की शक्ति होते हुए भी शत्रु द्वारा पश्चाताप कर लेने पर क्षमा कर देना मनुष्यों का दैवीय गुण कहलाता है। क्षमा की गौरव गाथा लिखते हुए महर्षि वेदव्यास जी ने कहा है-

क्षमा तेजस्विनां तेजः, क्षमा ब्रहम तपस्विनाम्।
क्षमा सत्यं सत्यवतां, क्षमा यज्ञ क्षमा शमः॥

अर्थात क्षमा तेजस्वी पुरुषों का तेज है, क्षमा तपस्वियों का ब्रहम है, क्षमा सत्यवादी पुरुषों का सत्य है। क्षमा यज्ञ है और क्षमा मनोनिग्रह है। बदले की भावना की अपेक्षा क्षमा उत्तम स्वभाव का लक्षण है।

क्षमा के सिद्धांत को भली भांति समझने के लिए हमें महर्षि दयानन्द के जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए। अपने जीवन में कितनी बार उनको विष देने वालों को सदैव क्षमा कर दिया। यहां तक कि अपने प्राणहंता विष देने वाले रसोइये जगन्नाथ को भी क्षमा करते हुए धन देकर भाग जाने को कहा। इसे कहते हैं क्षमाशीलता। लेकिन अक्सर लोग क्षमा को कमजोरी या मूर्खता का पर्याय मान लेते हैं और फिर अपनी आसुरी प्रवृति को दिखाते हुए उनके प्रति अपराधों में संलग्न हो जाते हैं। शायद इसीलिए क्षमा वीरस्य भूषणम् कहकर क्षमाशीलता को धीर वीर पुरुषों का लक्षण बताया गया है। राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त ने इसका वर्णन कुछ इस प्रकार से किया है-

क्षमा शोभती उसी भुजंग को जिसके पास गरल हो
वह क्या जो विषहीन दंतहीन सरल हो।

अपने अपराधों को जान मानकर प्रायश्चित रूपी पश्चाताप करने वाला अपराधी ही क्षमा का अधिकारी होता है। यदि कोई अपराधी अपनी हठधर्मिता वा दुष्ट आसुरी स्वभाव के कारण अपनी भूल को स्वीकार ना करे तो वह क्षमा का नहीं अपितु दंड का अधिकारी होता है। इसलिए महर्षि वेदव्यास ने बहुत स्पष्ट रूप से कहा है अच्छी तरह जांच पड़ताल करने पर यदि यह सिद्ध हो जाये कि उससे वह अपराध अनजाने में हो गया है वह दुर्बल मनुष्य है और वह अपने अपराध का पश्चाताप करता है तो वह आपकी क्षमा का अधिकारी है। क्षमा मे इसी सिद्धांत की पुष्टि गुरू गोबिंद सिंह ने करते हुए कहा है ''यदि कोई दुर्बल कमजोर तुम्हारा अपमान करे तो उसे क्षमा कर दो क्योंकि क्षमा करना वीरों का काम है। परन्तु यदि अपराधी हठधर्मी बलवान हो तो उसे दंड अवश्य दो।'' जिसे पश्चाताप न हो उसे क्षमा कर देना पानी पर लकीर खींचने की भांति निरर्थक है अपितु हठधर्मी अपराधी को क्षमा करना उसके अपराधों को बढ़ावा देने के समान है।

क्षमा में जो महत्ता और औदार्य है वह क्रोध और प्रतिकार में नहीं। प्रतिहिंसा हिंसा पर आघात कर सकती है पर क्षमा उदारता पर नहीं। क्षमा मनुष्य का अलंकार है। इस जगत में क्षमा एक ऐसा वशीकरण मंत्र है जिससे मनुष्य दुश्मनों पर भी विजय पा सकता है। क्षमावान के लिए लोक परलोक दोनों हैं वह इस जगत में सम्मान और परलोक में उत्तम गति पाते हैं। क्षमा दंड से बढ़कर है और क्षमा से बढ़कर और किसी बात में दुश्मन को जीतने की शक्ति नहीं है। क्षमाशीलता का पाठ पृथ्वी से सीखें, धरती को जितना खोदें वह गहराई से उतने रत्न, शीतल जल आदि प्रदान करते हुए सबका पालन पोषण और धारण करती है। यदि समाज में क्षमाशील पुरुष ना हों तो मनुष्यों में कभी सन्धि नहीं हो सकती क्योंकि क्रोध तो झगड़े की जड़ है।

नरेन्द्र आहूजा 'विवेक', 502 जी एच 27 सैक्टर 20, पंचकूला, मो. 09467608686

जहां नहीं होता कभी विश्राम • आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

वैदिक धर्म दीक्षा समारोह

ओ३म्
बलमुपास्व

गांव, गली, चौराहे पर, घर-घर यज्ञ रचायेंगे,धरती को स्वर्ग बनायेंगे

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य व महामंत्री महेन्द्र भाई के नेतृत्व में

12 से 25 वर्ष तक के 5000 युवाओं को यज्ञोपवीत से दीक्षित करने का युवा संस्कार अभियान

8 दिन में 37 कार्यक्रम

1 शनिवार, 11 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : दुर्गापुरी विस्तार, गली न.1, पूर्वी दिल्ली
संयोजक : श्री देव कुमार व देवप्रिय 9990098694

2 शनिवार, 11 अगस्त 2012, प्रातः 8 बजे
स्थान : श्रद्धा मन्दिर हाई स्कूल, नहरपार, खेड़ी रोड फरीदाबाद, संयोजक : श्री गजराजसिंह आर्य
सम्पर्क : 9213771515

3 शनिवार, 11 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : विजय हाई स्कूल, सिक्का कालोनी, सोनीपत
संयोजक : श्री मनोहरलाल चावला,श्रीमती शालिनी चावला
सम्पर्क : 09813514699, 09813442701

4 शनिवार, 11 अगस्त 2012, दोपहर 3 बजे
स्थान : गली न.30, स्वतन्त्र नगर, नरेला, दिल्ली
संयोजक : श्री अनुज आर्य व श्री अरूण आर्य
सम्पर्क : 9716114610, 9818530543, 8459038781

5 रविवार, 12 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : आर्य समाज, महावीर नगर, दिल्ली-18
संयोजक : श्री दिनेश आर्य, श्री मायाराम शास्त्री
सम्पर्क : 9213637558, 9873107410

6 रविवार, 12 अगस्त 2012, प्रातः 8 बजे
स्थान : आर्य समाज, लाजपत नगर, साहिबाबाद
संयोजक : श्रीमती कुसुम शर्मा व श्री सुरेश आर्य
सम्पर्क : 9810189585, 9873391114

7 रविवार, 12 अगस्त 2012, दोपहर 12 बजे
स्थान : डॉ.भीम पार्क, प्रेम नगर, गली न.6, दिल्ली-8
संयोजक : श्री गौरव कुमार व श्री विक्रम कुमार
सम्पर्क : 9268990047, 9212935328

8 रविवार, 12 अगस्त 2012, सायं 5 बजे
स्थान : फलैट न.42, पाकेट सी.9, सैक्टर-5, रोहिणी
संयोजक : श्री प्रदीप आर्य, श्री सुदेश डोगरा
सम्पर्क : 9968893675, 9868205701

9 रविवार, 12 अगस्त 2012, सांय 4 बजे
स्थान : आर्य समाज,एन.एच.-3, फरीदाबाद
संयोजक : सत्यभूषण आर्य, जितेन्द्रसिंह आर्य
सम्पर्क : 9818897097, 9210038065

10 सोमवार, 13 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : यादव भवन ढांसा रोड, नजफगढ़, दिल्ली
संयोजक : श्री रघुनाथ सिंह, श्री रमेश योगाचार्य
सम्पर्क : 9210593600, 9868899001

11 सोमवार, 13 अगस्त 2012, प्रातः 8 बजे
स्थान : आदर्श प0 स्कूल, गाँधी नगर, करनाल
संयोजक : श्री स्वतन्त्र कुकरेजा-9813041360

12 सोमवार, 13 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : शान्ति वरि.मा.विद्यालय, सम्बोली, सोनीपत
संयोजक : श्री योगराज भारद्वाज व मनोहरलाल चावला
सम्पर्क : 09813514699.

13 सोमवार, 13 अगस्त 2012, सायं 6 बजे
स्थान : आर्य समाज मोती बाग, नई दिल्ली-21
संयोजक : श्री सुरेन्द्र गुप्ता, श्री ओमबीर सिंह,
सम्पर्क : 9968634685, 9868803585

14 मंगलवार, 14 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : आर्य समाज, प्रताप नगर, दिल्ली-7
संयोजक :के.के सेठी,गुलशन कुमार,हीराप्रसाद शास्त्री
सम्पर्क : 9540081871, 9868003880

15 मंगलवार, 14 अगस्त 2012, प्रातः 8 बजे
स्थान : डी.ए.वी.स्कूल, निकट बस अड्डा,करनाल
सम्पर्क : श्री हरेन्द्र चौधरी - 9541555000

16 मंगलवार, 14 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : राजकीय वरि.मा.विद्यालय, राजपुरा,सोनीपत
संयोजकः श्री सत्यप्रकाश कटारिया व हरिचन्द स्नेही
सम्पर्क : 08607711313, 09416693290

17 मंगलवार, 14 अगस्त 2012, सायं 6 बजे
स्थान : शिव मन्दिर, जी ब्लाक, मंगोलपुरी, दिल्ली-83
संयोजक : जगदीशशरण आर्य, धर्मपाल आर्य, महेन्द्र टांक
सम्पर्क : 9899190725, 9711523412, 9868995977

18 बुधवार, 15 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : आर्य समाज, रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली
संयोजक : श्रीमती विजयारानी शर्मा व नरेश सैनी
सम्पर्क : 9311161291, 9013500041

19 बुधवार, 15 अगस्त 2012, प्रातः 8 बजे
स्थान : न्यू जॉन एफ कनेडी स्कूल,शिव कालोनी,पल्ला-1 फरीदाबाद, संयोजक : श्री विद्याभूषण आर्य
सम्पर्क : 9999108200

20 बुधवार, 15 अगस्त 2012, प्रातः 11 बजे
स्थान : आर्य समाज, वजीरपुर, जे.जे. कालोनी, दिल्ली-52
संयोजक : श्री रामहेत आर्य व श्री वीरेश आर्य
सम्पर्क : 9871084883, 9868992898

21 बुधवार, 15 अगस्त 2012, सांय 4 बजे
स्थान : आर्य समाज, सूर्य निकेतन, पूर्वी दिल्ली
संयोजक : श्री यशोवीर आर्य व श्री विकास गोगिया
सम्पर्क : 9312223472, 9999119790

22 बुधवार, 15 अगस्त 2012, प्रातः 7 बजे
स्थान : आर्य समाज,संदेश विहार, दिल्ली-34
संयोजक : श्रीमती सीमा कपूर व सुमन नागपाल
सम्पर्क : 9968850921, 27032232

23 वीरवार, 16 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : स्वामी श्रद्धानन्द वरि.मा.विद्यालय, बड़वासनी,सोनीपत
संयोजकः श्री चरणदास कादियान व श्रीमती राजबाला

24 वीरवार, 16 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : बाल विकास एकेडमी, गाजीपुर, पूर्वी दिल्ली
संयोजकः श्री यज्ञवीर चौहान, 9810493055

25 वीरवार, 16 अगस्त 2012, दोपहर 3 बजे
स्थान : आर्य समाज, शाहबाद मुहम्मदपुर, Opp. I.G.Airport
संयोजकः मंत्री जगबीरसिंह आर्य, डॉ. मुकेश सुधीर
सम्पर्क : 9350099545, 9268103480

26 शुक्रवार, 17 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : आर्य समाज मॉडल बस्ती, दिल्ली-5
संयोजक : श्री अमरनाथ गोगिया, श्री गोपाल जैन
सम्पर्क : 23531587, 9810756571

27 शुक्रवार, 17 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : हैप्पी चाईल्ड स्कूल, दुर्गा कालोनी, गन्नौर मण्डी,सोनीपत
संयोजकः श्री रामकृष्ण नागपाल,रीटा नागपाल, सुनील नागपाल

28 शुक्रवार, 17 अगस्त 2012, सायं से बजे
स्थान : राधा कृष्ण मन्दिर,रक्षा एनक्लेव, मोहन्नै गार्डन,दिल्ली
संयोजक : श्री मानवेन्द्र शास्त्री व श्री संजीव चतरथ
सम्पर्क : 9213326949, 9891091702

29 शनिवार, 18 अगस्त 2012, प्रातः 7.30 बजे
स्थान : आर्य समाज, राज नगर-2, पालम कॉलोनी,दिल्ली-45
संयोजकः श्री भगतसिंह राठी,हंसराज,जीवनप्रकाश शास्त्री
सम्पर्क : 9953457522, 9013309332

30 शनिवार, 18 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : हैप्पी वरि.मा.स्कूल, यमुना मार्ग, पलड़ी, सोनीपत
संयोजकः श्री ओमप्रकाश आंतिल, चांदसिंह आंतिल-9991192025

31 शनिवार, 18 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : आर्य समाज, जवाहर नगर (कैम्प), पलवल
संयोजकः प्रो.जयपकाश आर्य, 09813491919

32 शनिवार, 18 अगस्त 2012, सांय 6 बजे
आर्य समाज, टैगोर गार्डन (ए डी ब्लाक), दिल्ली-27
संयोजक : अशोक आर्य,लाजपत आहूजा, पं0 सुरेश झा
सम्पर्क : 9213616702, 8447750166, 9910933457

33 रविवार, 19 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : टीनू पब्लिक स्कूल, संगम विहार, दिल्ली-62
संयोजकः देवदत्त आर्य, के.एल.राणा, रामफल खर्ब
सम्पर्क : 9810323883, 9868889670, 9868847859

34 रविवार, 19 अगस्त 2012, दोपहर 3 बजे
स्थान : आर्य समाज,नया आर्य नगर,गाजियाबाद
संयोजक : श्री प्रवीन आर्य, श्री सौरभ गुप्ता
सम्पर्क : 9911404423, 9971467978

35 रविवार, 19 अगस्त 2012, सायं 4 बजे
स्थान : पार्क ई-1051, जहाँगीरपुरी, दिल्ली-33
संयोजक : श्री अरविन्द आर्य, ग्रीश आर्य, रामभरोसे शाह
सम्पर्क : 9811676911, 9868504263

36 रविवार, 19 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : गांव बाम्बीखोड़ा, पलवल
संयोजक : स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती 9416267482

37 रविवार, 19 अगस्त 2012, प्रातः 9 बजे
स्थान : आर्य समाज, हापुड़, उ0प्र0
संयोजक : श्री आनन्दप्रकाश आर्य व श्री विकास आर्य
सम्पर्क :9837086799, 9837791132

भजनोपदेश -प0 रमेशचन्द स्नेही (हरिद्वार) के विभिन्न स्थानो पर मधुर भजन होंगे। इस रचनात्मक कार्यक्रम में आपका तन-मन-धन से सहयोग अपेक्षित है।

आह्वान : युवा संस्कार अभियान में सभी स्थानों पर यज्ञ, भजन, उपदेश व यज्ञोपवीत सस्कार होंगे 'यज्ञोपवीत' लेने के इच्छुक युवक/युवतियां स्थानीय संयोजक को 11रू दक्षिणा सहित 'प्रवेशपत्र' भरकर स्थान आरक्षित करवा लें जिससे यथोचित व्यवस्था की जा सके। सभी आर्यजनो, धर्मप्रेमी बन्धुओं व अभिभावकों से अनुरोध है की अपने निकट के कार्यक्रम में सम्मिलित होकर युवाओ को आशीर्वाद प्रदान करें।

दर्शनाभिलाषी

आचार्य गवेन्द्र शास्त्री	रामकुमारसिंह आर्य	संतोष शास्त्री	अनिरूद्ध शास्त्री	शिशुपाल आर्य
प्रान्तीय प्रभारी	प्रान्तीय संचालक	प्रान्तीय महामंत्री	बौद्धिकाध्यक्ष	प्रान्तीय उपसंचालक
9810884124	9868064422	9868754140	9868002130	9971550031

आर्य समाज मयूर विहार, फेस-2 एवं नोएडा के विधायक डॉ. महेश शर्मा का अभिनन्दन

रविवार, 29 अगस्त 2012 केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य आर्य समाज मयूर विहार फेस-2 में उद्बोधन देते हुए। उन्होंने युवा संस्कार अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। समाज के प्रधान श्री सी.एल. मोहन ने भावभीना स्वागत किया। द्वितीय चित्र में सामुदायिक केन्द्र, सैक्टर-19, नोएडा में आर्य नेत्री श्रीमती गायत्री मीना की पौत्री ऋषिका का प्रथम जन्मदिवस सौल्लास मनाया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ. महेश शर्मा (चेयरमैन कैलाश अस्पताल) का स्वागत करते श्री डी.सी. मीना, श्रीमति गायत्री मीना, डॉ. अनिल आर्य आदि। शिक्षाविद श्री आनन्द चौहान व मृदुला चौहान, कै. अशोक गुलाठी, डॉ. जयेन्द्र आचार्य, माता लक्ष्मी सिन्हा, ओमवती गुप्ता, अशोक आनन्द, सत्यदेव आनन्द आदि ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रदान की।

आर्य उपप्रतिनिधि सभा गाजियाबाद - हापुड़

रविवार, 29 अगस्त 2012, आर्य उप प्रतिनिधि सभा गाजियाबाद-हापुड़ के तत्वावधान में सघन वैद प्रचार अभियान प्रारम्भ किया गया। ग्राम पतला व सारा में पं. देवेन्द्र शास्त्री ने यज्ञ करवाया। पं. माया प्रकाश त्यागी, प्रधान सभा ने औजस्वी विचार रखें। महाशय दिनेश दत्त आर्य के मधुर भजन हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में चौधरी दरयाव सिंह पतला, शोराज सिंह त्यागी, विश्वबन्धु आर्य का विशेष योगदान रहा।

आर्य नेता कै. देवरत्न आर्य का निधन

आर्य नेता कै. देवरत्न आर्य जी का गत 20 जुलाई 2012 को अजमेर में निधन हो गया। उनके निधन से आर्य जगत् की गहरी क्षति हुई है। उनके नेतृत्व में मुम्बई में अर्न्तराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन शानदार सफलता से सम्पन्न हुआ था।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि!!!

-डॉ. अनिल आर्य, अध्यक्ष

रक्तदान देकर पुण्य के भागी बनें

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 34वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर रविवार 2 सितम्बर 2012 को प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक आर्य समाज राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में लायंस क्लब नार्थ, लायंस क्लब इन्टरनेशनल, 321 ए-2 के सौजन्य से रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। आप सभी से अनुरोध है कि रक्तदान देकर पुण्य के भागी बनें।

सम्पर्क- लायन प्रमोद सपरा-9810094112

श्री मायाप्रकाश त्यागी पुन: प्रधान निर्वाचित

आर्य उप-प्रतिनिधि सभा, गाजियाबाद-हापुड़ के वार्षिक निर्वाचन में श्री मायाप्रकाश त्यागी-प्रधान, श्री नरेन्द्र आर्य-मंत्री, श्री सत्यवीर चौधरी-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। अध्यक्षता श्री ओम प्रकाश आर्य ने की व आभार आर्य समाज हापुड़ के प्रधान श्री आनन्द प्रकाश आर्य ने किया।

आर्य समाज नोएडा में उपनयन संस्कार

आर्य समाज व आर्ष गुरूकुल, सैक्टर-33, नोएडा में नवप्रविष्ट ब्रह्मचारियों का उपनयन संस्कार व चतुर्वेद शतक पारायण यज्ञ दिनांक 25-26 अगस्त 2012 को प्रात: 8 बजे से 12 बजे तक होगा। आर्ष कन्या गुरूकुल, वेद धाम, सोरखा, सैक्टर-115, नोएडा में आर्ष कन्या गुरूकुल की स्थापना की गई है। सभी दानी महानुभाव दिल खोलकर दान दें।

-कै. अशोक गुलाटी, प्रधान -डॉ. जयेन्द्र आचार्य

आर्य समाज मयूर विहार फेस-1 में श्रावणी उपाकर्म

आर्य समाज मयूर विहार, फेस-1, दिल्ली में दिनांक 9 अगस्त से रविवार 12 अगस्त 2012 तक चतुर्वेद शतक यज्ञ आचार्य उमाशंकर शास्त्री के ब्रहात्व में होगा व पं. राजवीर शास्त्री के भजन होंगे। समापन समारोह रविवार 12 अगस्त 2012 को प्रात: 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा।

- अमीर चन्द रखेजा, प्रधान - ओम प्रकाश शास्त्री, मंत्री

आर्य समाज प्रशांत विहार में वेद प्रचार सप्ताह

आर्य समाज प्रशांत विहार, दिल्ली में सोमवार 6 अगस्त से रविवार 12 अगस्त 2012 तक आचार्य अखिलेश्वर जी की वेद कथा एवं पं. हरिश्चन्द्र आर्य जी वानप्रस्थी के भजन होंगे। समापन समारोह रविवार 12 अगस्त को प्रात: 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक होगा।

- कान्ति प्रकाश आर्य, प्रधान - सोहन लाल मुखी, मंत्री

आर्य समाजों के निर्वाचन समाचार

1. आर्य समाज महावीर नगर दिल्ली के चुनाव में श्री राजपाल पुलियानी-प्रधान, आचार्य मायाराम शास्त्री-मंत्री व श्री सुभाष खन्ना-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
2. आर्य समाज सैक्टर 35 एवं 43, चंडीगढ़ के चुनाव में श्रीमती सुदेश गुप्ता-प्रधान, श्री वेद प्रकाश आर्य-मंत्री व श्री सुशील भाटिया-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
3. आर्य समाज रम्पुरा, किच्छा मार्ग, रूद्रपुर, ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड के चुनाव में डॉ. प्र. शास्त्री-प्रधान, श्री नरपति सिंह आर्य-मंत्री व श्री प्रमित आर्य-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।
3. आर्य उपप्रतिनिधि सभा, ऊधमसिंह नगर के चुनाव में आचार्य विश्वमित्र शास्त्री-प्रधान, श्री विनीत कुमार पाठक-मंत्री व श्री सुभाष चन्द्र आर्य-कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए।

पाणिनि कन्या महाविद्यालय, वाराणसी की अपील

पाणिनि कन्या महाविद्यालय, महमूरगंज, तुलसीपुर, वाराणसी में भव्य सभागार व महिला छात्रावास का निर्माण कार्य अन्तिम चरण में चल रहा है। सभी आर्य जनों से अपील है कि दिल खोलकर दान दें।

- आचार्य नन्दिता शास्त्री- 09235539740

आर्य समाज शान्ति नगर सोनीपत

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व एवम् वार्षिक यज्ञोत्सव 10 से 12 अगस्त 2012 तक मनाया जा रहा है। आचार्य हरिशंकर अग्निहोत्री ब्रह्मा होंगे व श्री विजयानन्द, फिरोजपुर के भजन होंगे। आर्य तपस्वी सुखदेव जी, महात्मा वेद मुनि, स्वामी सत्यवेश जी, श्री मनोहर लाल चावला के उद्बोधन होंगें।

- हरिचन्द स्नेही, प्रधान

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9910649696, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970